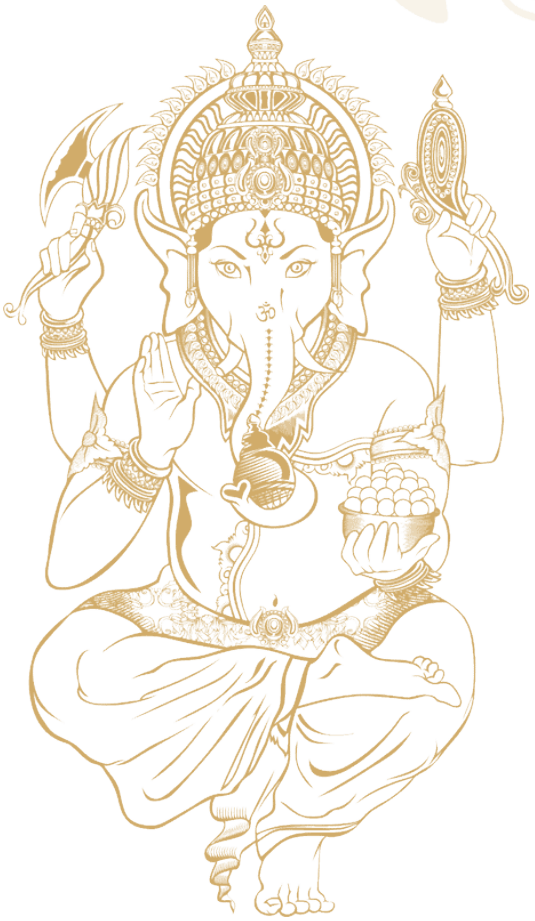

Girish Jyoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121068202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/01/1986	जन्म तिथि	11/09/1992
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:15:00	जन्म समय	08:30:00 घंटे
घटी 12:28:56	जन्म समय(घटी)	06:04:35 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:25	सूर्योदय	06:04:10
17:44:59	सूर्यास्त	18:30:45
23:39:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 1वर्ष 11मा 0दि	06:49:26	मेष	लग्न	कन्या	26:05:49	राहु 7वर्ष 9मा 25दि
बुध	00:08:41	मक	सूर्य	सिंह	24:52:14	शनि
15/12/2022	18:34:46	कुंभ	चंद्र	कुंभ	14:12:27	07/07/2016
16/12/2039	24:59:07	तुला	मंगल	मिथु	05:35:38	08/07/2035
बुध 13/05/2025	19:08:42	धनु	बुध	सिंह	21:11:26	शनि 11/07/2019
केतु 10/05/2026	27:31:08	मक	गुरु	सिंह	29:54:26	बुध 20/03/2022
शुक्र 10/03/2029	28:51:23	धनु	शुक्र	कन्या	19:04:02	केतु 29/04/2023
सूर्य 14/01/2030	12:48:58	वृश्चि	शनि व	मक	19:02:13	शुक्र 28/06/2026
चन्द्र 16/06/2031	11:51:53	मेष व	राहु व	धनु	03:18:08	सूर्य 10/06/2027
मंगल 12/06/2032	11:51:53	तुला व	केतु व	मिथु	03:18:08	चन्द्र 09/01/2029
राहु 30/12/2034	26:35:02	वृश्चि	हर्ष व	धनु	20:20:35	मंगल 18/02/2030
गुरु 06/04/2037	10:25:08	धनु	नेप व	धनु	22:29:45	राहु 25/12/2032
शनि 16/12/2039	13:30:21	तुला	प्लूटो	तुला	26:53:10	गुरु 08/07/2035

लग्न-चलित

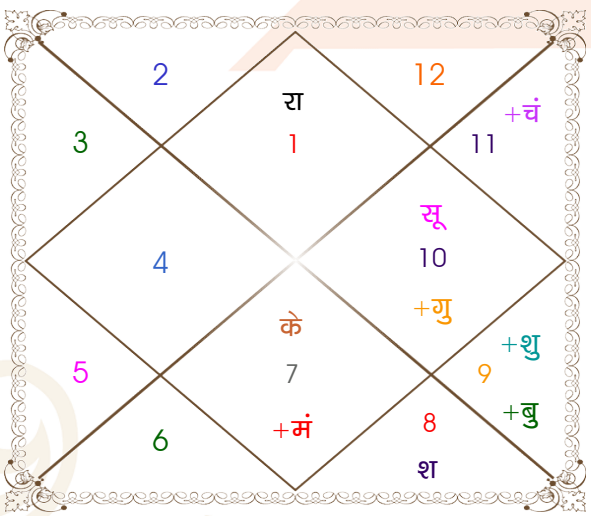

लग्न-चलित

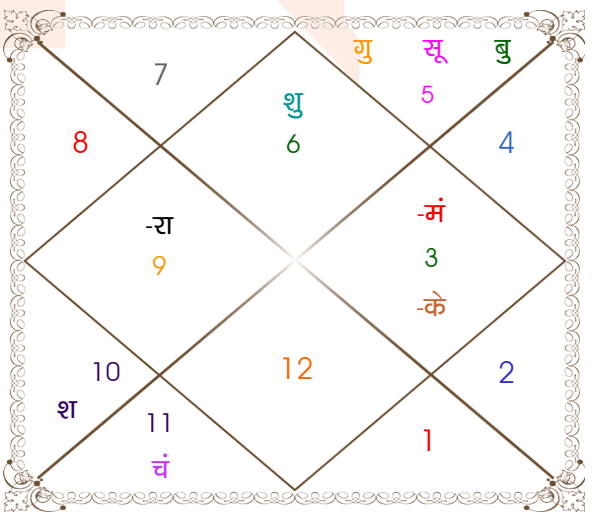

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	अश्व	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

ळपतपी का वर्ग मेष है तथा श्रलवजप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळपतपी और श्रलवजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ळपतपी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

श्रलवजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळपतपी तथा श्रलवजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।